पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 01.05.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

हरिद्वार तपोवन बस यात्रा– वैदिक साधन आश्रम देहरादून के उत्सव में सम्मिलित होने के लिए शुक्रवार 17 मई 2024 को रात्री 10 बजे AC बस जायगी, 18 मई को हरिद्वार भ्रमण करके देहरादून पहुंचेगी। वापिस रविवार 19 मई को दोपहर 2 बजे चलेगी। प्रति सीट किराया **1100/–** रूपये रहेगा।

सम्पर्क–अरुण आर्य–9818530543

वर्ष-40 अंक-23 बैसाख-2081 दयानन्दाब्द 201 01 मई से 15 मई 2024 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.05.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

ओ३म्
बलमुपास्व

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

(पंजीकृत)

आर्य नेता डॉ. अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य
शिक्षाविद् डॉ. अमिता चौहान की अध्यक्षता में आयोजित

आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का

उद्घाटन समारोह

शनिवार, 1 जून, 2024, सायं: 5 से 7.00 बजे तक

भव्य समापन समारोह व आर्यो का मेला

रविवार, 9 जून, 2024 ❖ समय : प्रातः 11 से 1.00 बजे तक
स्थान : ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर-44, नोएडा, उ0प्र0

आप उद्घाटन व समापन समारोह के अवसर पर युवा शक्ति को आशीर्वाद देने सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं

अपनी-अपनी आर्य समाजों से स्पेशल बसों, आरटीवी, आदि का प्रबन्ध करके हजारों की संख्या में पहुँचें

नोटः ऋषि लंगर का सुन्दर प्रबन्ध रहेगा व सभी युवक 1 जून को दोपहर 2 बजे पहुंच जायें।

विशेष आकर्षण

युवकों द्वारा परेड, योगासन, दण्ड-बैठक, लाठी, जूडो-कराटे, बाक्सिंग स्तूप, लेजियम आदि का भव्य व्यायाम प्रदर्शन – निर्देशन : **योगेन्द्र शास्त्री व सौरभ गुप्ता**

दर्शनाभिलाषी

अनिल आर्य शिविर संचालक
आनन्द चौहान शिविर संरक्षक
प्रि. रेणू सिंह स्वागताध्यक्ष
मुक्तिकांत महापात्रा स्वागताध्यक्ष
महेन्द्र भाई शिविर संयोजक
गायत्री मीना स्वागताध्यक्ष
मधु भसीन स्वागत मंत्री
रामकुमार सिंह प्रान्तीय संचालक
विकास गोगिया प्रचार मंत्री
प्रवीन आर्य मीडिया प्रभारी
कै. अशोक गुलाटी
आनन्दप्रकाश आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
संतोष शास्त्री राष्ट्रीय मंत्री
देवेन्द्र भगत राष्ट्रीय मंत्री
धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
अरूण आर्य
यज्ञवीर चौहान
दुर्गेश आर्य
वीरेश भाटी
जितेन्द्र नरूला
डॉ. जयेन्द्र आचार्य
विवेक अग्निहोत्री प्रबन्धक
सुरेश आर्य राष्ट्रीय मन्त्री
ओम सपरा स्वागत मंत्री
मे.ज.आर.एस.भाटिया स्वागताध्यक्ष
आ.गवेन्द्र शास्त्री बौद्धिकाध्यक्ष

कृष्ण कुमार यादव, सुरेश आर्य, डॉ.आर.के.आर्य, रामलुभाया महाजन, अनुपम आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, डॉ. डी.के. गर्ग प्रकाशवीर शास्त्री, देवेन्द्र आर्य बंधु, रोहित कुमार सिंह, गौरव झा, विनोद त्यागी, कर्नल अमरेश त्यागी, रजनी गर्ग, मधु सिंह

कार्यालय: आर्य समाज, कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, फोन-9810117464, 9013137070, 9818530543, 9971467978
Email : aryayouth@gmail.com, Youtube : aryayuvakparishad, Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth

आशु कवि विजय गुप्त 79वीं जयन्ती सम्पन्न

गुप्त जी का जीवन समाज को समर्पित रहा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 23 अप्रैल 2024, स्वामी विवेकानंद बाल भारती एजूकेशन व चेरिटेबल सोसाइटी के तत्वावधान में आशु कवि, साहित्यकार वा लेखक विजय गुप्त जी का 79 वीं जयंती समारोह आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट–2,नई दिल्ली में आयोजित किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आशु कवि विजय गुप्त का जीवन समाज को समर्पित था।वह शिक्षाविद,साहित्यकार, लेखक,नाटककार व समाजसेवी थे।उन्होंने कहा कि विजय गुप्त ने अपना पूरा जीवन पिछड़े,निर्धन बच्चों कि सेवा में संस्कार व शिक्षा देने के लिए न्यौछावर कर दिया।वह देखते ही देखते कविता लिख देते थे।उन्होंने कोरोना काल में अपने विधालय की 6 मास की पूरी फीस माफ कर दी,अभावों में रहकर भी वह सदैव कर्तव्य पथ पर डटे रहे।उनका जीवन एक आदर्श जीवन था जो सदैव प्रेरणा देता रहेगा। समारोह अध्यक्ष आर्य रवि देव गुप्त ने कहा कि उनका शिक्षा के साथ संस्कार देने का कार्य सराहनीय था।उनकी लिखी पुस्तक षहिंद की चादर गुरुतेग बहादुर एक एतिहासिक दस्तावेज है। कालका ग्रुप आफ़ एजुकेशन की निदेशक अंजू मेहरोत्रा ने कहा है की वह मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे उनकी मधुर मुस्कान किसी को भी एक बार में ही अपना बना लेती थी।कविता पाठ के लिए देशभर में उनका भ्रमण चलता रहता था। प्रवीन आर्य पिंकी के मधुर भजन सभी ने पसंद किए।कार्यक्रम का कुशल संचालन ऋचा गुप्ता ने करते हुए अपनी स्मृतियों को साँझा किया और आँखें नम कर दीं। प्रमुख रूप से सुनीता गुप्ता, सहदेव नागिया, रविन्द्र आर्य, हरिचन्द आर्य ,सुरेन्द्र गुप्त, स्वदेश शर्मा, श्यामलाल आर्य आदि उपस्थित थे।

160 वां पं. गुरुदत्त विद्यार्थी जन्मोत्सव सम्पन्न

पं.गुरुदत्त विद्यार्थी महर्षि दयानन्द के प्रथम संदेश वाहक रहे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

प्रवीण आर्य प्रान्तीय अध्यक्ष व अनुपम आर्य प्रान्तीय महामंत्री मनोनीत

हापुड़,रविवार, 28 अप्रैल 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तर प्रदेश एवं आर्य समाज हापुड़ के संयुक्त तत्वावधान में वेद प्रचारक, महान मनीषी, महर्षि दयानन्द सरस्वती के अनन्य भक्त पं. गुरुदत्त विद्यार्थी का 160 वाँ जन्मोत्सव आर्य समाज हापुड़ में धूमधाम से सम्पन्न हुआ।धर्माचार्य आचार्य धर्मेन्द्र शास्त्री के ब्रह्मत्व में यज्ञ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आर्य समाज के प्रधान पवन कुमार आर्य ने ध्वजारोहण करके किया ।भजनोपदेशक ओमपाल शास्त्री एवं मास्टर विजेन्द्र आर्य ने भजन प्रस्तुत किए। समारोह अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी एक युवा दार्शनिक विद्वान् थे जिन्होंने छबीस वर्ष की अल्पायु में ही अनेक भाषाओं व विषयों का समयक ज्ञान प्राप्त कर लिया था, उसे देख कर बड़े–बड़े विद्वान चकित रह जाते थे।पंडित जी गूढ़ से गूढ़ प्रश्न का उत्तर सरलता से देते थे।दार्शनिक गुत्थी उनके समक्ष गुत्थी ही न रहती।इस नवयुवक के एक वर्ष के कार्य एवं उपलब्धियाँ महापुरुषों में उच्च स्थान दिलवाने के लिए पर्याप्त हैं, आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती के बाद प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने उनकी विचार धारा को आगे प्रचारित व प्रसारित किया।आज के युवाओं को उनका अनुसरण करना चाहिए। मुख्य अतिथि आर्य नेता माया प्रकाश त्यागी ने कहा कि अद्भुत प्रतिभा के धनी पं.गुरुदत्त विद्यार्थी ने स्वामी अच्युतानंद गुरु को भी शिष्य बना लिया था, शिष्य–वैदिक संस्कृति की रक्षा के लिए पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी जी ने आर्यसमाज में विद्वानों की जरूरत समझी।अतः गुरुदत्त विद्यार्थी जी ने स्वामी अच्युतानन्द को (जो नवीन वेदांती थे) आर्यसमाजी (आर्य सन्यासी) बनाने के लिए ठान लिया।इसके लिए गुरुदत्त जी उनके शिष्य बनकर उनके पास जाया करते थे।फिर क्या हुआ समय बदला गुरु शिष्य बन गया और शिष्य गुरु।स्वामी अच्युता नन्द कहा करते थे, "पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी का सच्चा प्रेम,अथाह योग्यता और गुण हमें आर्य समाज में खींच लाया।" वैदिक विद्वान आचार्य वाचस्पति (अध्यक्ष,उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ) ने नमस्कार मंत्र बोलकर कहा कि ऋषि दयानन्द ने जो पद्धति शिक्षा विषय पर बताई थी कि जब तक गुरुकुल नहीं खोलोगे तुम्हारा उद्धार नहीं होगा।संसार की सब भाषाएं संस्कृत का अपभ्रंश हैं।शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाकर संस्कृत और वेदों को पढ़ाओ,वेदों में विज्ञान है।भारत को बचाने के लिए प्रत्येक आर्य समाज में गुरुकुल खोलो, वेद और आर्ष ग्रंथों का पठन पाठन शुरू करो तभी गुरुदत्त विद्यार्थी का जन्मोत्सव मनाना सार्थक होगा। आर्य युवा नेता देवेन्द्र आर्य आर्यबंधु विशिष्ठ अतिथि ने कहा कि ऐसे मनीषियों के कारण ही आर्य समाज का प्रचार प्रसार हुआ है। स्वागताध्यक्ष डा.विकास अग्रवाल (क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश) ने कहा कि गुरुदत्त विद्यार्थी का संस्कृत से अद्वितीय लगाव ही युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई,प्रवीण आर्य आदि ने भी अपने विचार रखे एवं मुख्य रूप से सर्वश्री अशोक कुमार आर्य, सुभाष चन्द आर्य, नरेन्द्र कुमार आर्य, बिजेंद्र कुमार गर्ग,सुरेंद्र कुमार गुप्ता, चमन सिंह शिशोदिया, सुरेश सिंघल,श्रीमती मृदुल अग्रवाल,सुषमा गुगलानी उपस्थित थे। कुशल संचालन केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष आनंद प्रकाश आर्य ने किया।समाज के मंत्री संदीप आर्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। प्रवीण आर्य प्रान्तीय अध्यक्ष मनोनीत इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश की नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए प्रवीण आर्य प्रांतीय अध्यक्ष, अनुपम आर्य प्रांतीय महामंत्री, देवेन्द्र आर्य प्रान्तीय उपाध्यक्ष और डा.प्रमोद सक्सैना को प्रांतीय कोषाध्यक्ष मनोनित किया। जिला अध्यक्ष यज्ञवीर चौहान, मंत्री सुरेश आर्य, रामकुमार आर्य, अमित शर्मा, संदीप आर्य,सौरभ गुप्ता, वीना आर्य,प्रतीभा भूषण,राकेश गुप्ता,कुंवरपाल आर्य आदि ने समारोह को सफल बनाने में भरपूर सहयोग किया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 638वां वेबिनार सम्पन्न

'ज्ञान नहीं तो जिज्ञासा कहां' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

जिज्ञासा नहीं तो शोध नहीं होगा –अनिता रेलन

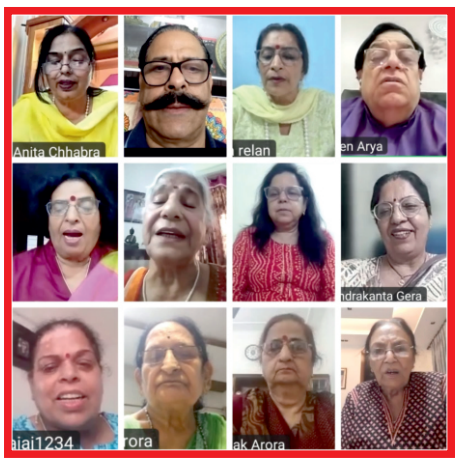

शुक्रवार 26 अप्रैल 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ज्ञान नहीं तो जिज्ञासा कहाँ' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 637 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता अनिता रेलन ने ज्ञान का तात्पर्य बताते हुए अध्ययन जांच अवलोकन या अनुभव द्वारा अर्जित तथ्यों के प्रति जागरूकता बताया।ज्ञान मस्तिष्क को अधिक सुचारू रूप से और प्रभावी ढंग से कार्य करने में मदद करता है। ज्ञान की शक्ति से हम अपने शरीर की इंद्रियों पर जीत प्राप्त कर सकते हैं ज्ञान से हमारे मन और बुद्धि का भटकना बंद हो जाता है।ज्ञान एक बोझ है यदि वह तुम्हारा भोलापन ले ले। ज्ञान एक बोझ है यदि वह तुम्हें विशेष होने का एहसास कराए ज्ञान एक बोझ है यदि वह जीवन में प्रसन्नता ना लाए,जीवन में संकलन ना लाए।ज्ञान एक बोझ है यदि वह तुम्हें मुक्त न करें। यकीनन इससे परे ज्ञान मन को शुद्ध करता है ज्ञान की उत्पत्ति जिज्ञासा से होती है जैसा कि विषय बताता है ज्ञान नहीं तो जिज्ञासा कहाँ जिज्ञासा नहीं तो नई नई शोध कहाँ।जिज्ञासा ज्ञान का आधार है गांधी जी कहा करते थे जिज्ञासा के बिना ज्ञान नहीं होता जैसे दुख के बिना सुख नहीं होता तो उन्होंने महाभारत के गुरु द्रोणाचार्य जी के कई दृष्टांत के साथ अपनी बात कही उन्होंने आगे चलकर यह भी बताया कर्म से रहित ज्ञान पंगु के समान होता है उससे ना तो कोई वस्तु प्राप्त की जा सकती है ना ही कोई कार्य सिद्ध होता है जो मन वाणी और कर्म से अपने कर्तव्य कर्म को करता है अर्थात ज्ञान युक्त कर्म के द्वारा ही इसकी सिद्धि होती है हितोपदेश का एक छोटा सा वाक्य बताते हुए कहा ज्ञानम भारम क्रिया।आचरण के बिना ज्ञान केवल भार होता है। जीवन में ज्ञान अत्यंत आवश्यक है।पर सत्य का पता लगाने के लिए कोरा ज्ञान पर्याप्त नहीं होता।

'बदलते मौसम में स्वास्थ्य रक्षा' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

तरल पदार्थ स्वास्थ्य के लिये आवश्यक –डॉ. सुनील रहेजा (निदेशक, मूलचन्द अस्पताल)

सोमवार 22 अप्रैल 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'बदलते मौसम में स्वास्थ्य रक्षा' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 636 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ. सुनील रहेजा (निदेशक, मूलचन्द अस्पताल) ने कहा कि बदलते मौसम में सावधानी आवश्यक है तरल पदार्थ शिकंजी,लस्सी आदि पेय पदार्थ लेते रहने चाहिए।जंक फूड से बचना चाहिए साथ ही मौसम के ताजे फल ही सेवन करने चाहिए।सुबह प्राणायाम वा सैर करना चाहिए।सुबह की धूप भी लेनी चाहिए।भोजन हल्का ग्रहण करना चाहिए।दोपहर के तेज तापमान से बचना चाहिए।यदि छोटी छोटी सावधानी बरतेंगे तो स्वास्थ अच्छा रहेगा। मुख्य अतिथि डॉ. रचना चावला व अध्यक्ष डॉ. अमित पाहुजा ने भी स्वस्थ रहने के नुस्खे बताये। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

'श्रीराम भक्त की कसौटी' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्र के प्रति समर्पण ही राम भक्त –प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक

शुक्रवार 12 अप्रैल 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'श्रीराम भक्त की कसौटी' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक ने कहा कि राष्ट्र प्रथम की नीति पर चलते हुए ऐसे राष्ट्रवादी राष्ट्र भक्तों को जो राष्ट्र की अखंडता के लिए समर्पित हों,जो राष्ट्र रक्षा के लिए सर्वस्व समर्पित करने के लिए तैयार हों जो राष्ट्र की सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम पर पूर्ण विश्वास रखते हो,जो राष्ट्र के दुश्मन आतंकियों को घर में घुसकर मारने की क्षमता रखते हो,जो राष्ट्र की सेना को खुली छूट देते हो,जो राष्ट्र की सेना को आवश्यक जहाज हेलीकॉप्टर आयुद्ध टैंक देते हो,जो राष्ट्र के अर्थ तंत्र को सुदृढ़ बनाने में विश्वास रखते हो,जो समाज को जातिगत व्यवस्था से ऊपर उठा कर एक सूत्र में पिरोते होते हुए जोड़ने का काम करते हो,जो सबका साथ सबका विश्वास लेकर सबके विकास में विश्वास करते हो,जो देश के अर्थतंत्र को मजबूत करने पर विश्वास करते हो उन्हें ही श्रीराम भक्त की कसौटी पर पूरा मानना चाहिए। मुख्य अतिथि आर्य नेता ओम सपड़ा व अध्यक्ष सुधीर बंसल ने भी अपने विचार रखे।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

अशोक विहार फेस-1 व रोहिणी सेक्टर 15 का उत्सव सम्पन्न

रामनवमी पर आर्य समाज अशोक विहार फेज 1, दिल्ली ने 21 कुंडली यज्ञ संपन्न किया। इस अवसर पर प्रधान राकेश खुल्लर, डॉ. महेश विद्यालंकार, अनिल आर्य, जितेन्द्र भाटिया, प्रेम सचदेवा, जीवन लाल आर्य, यज्ञ दत्त आर्य आदि। द्वितीय चित्र– आर्य समाज सेक्टर 15, रोहिणी दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर कर्मठ कार्यकर्ता प्रभा आर्य, लव केश सपरा का अभिनंदन करते अनिल आर्य, साथ में प्रदीप गुप्ता, स्वामी अखिलानंद जी आदि।

मुक्ति विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

हर जीवात्मा स्वतंत्रता चाहती है –अतुल सहगल

सोमवार 22 अप्रैल 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'मुक्ति' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 635 वां वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि जन्म मरण से छुट्टी और दीर्घ काल तक आनंद ही मुक्ति यानी मोक्ष है।उन्होंने सर्वप्रथम जो अपूर्ण और अशुद्ध परिभाषाएं सामान्य जनों में प्रचलित हैं, उनकी चर्चा की। प्रायः लोग इस विषय के बारे में त्रुटिपूर्ण धारणायें रखते हैं। मुक्ति अथवा मोक्ष एक पूर्णतः अभौतिक विषय है और इसको ठीक प्रकार समझने के लिए आर्ष ग्रंथों में समाहित सूक्त, सिद्धांत व उनकी व्याख्याएँ मन मस्तिष्क की पृष्ठभूमि में रखनी पड़ती हैं।मोक्ष अथवा मुक्ति का अर्थ है स्वतंत्रता।मनुष्यों के अतिरिक्त अन्य प्राणियों –– पक्षिओं और पशुओं के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि हर जीवात्मा स्वतंत्रता चाहती है व दुखों को दूर करना चाहती है।पशु तो भोग योनि में आते हैं परन्तु मनुष्य का शरीर भोग और कर्म दोनों के लिए उत्पन्न हुआ है।इस शरीर में रह कर जीवात्मा अपने पिछले जन्म के सुख दुःख रूपी भोगों को तो भोगता ही है पर उसके अतिरिक्त उसे नवीन शुभ कर्म करने का भी जीवन काल अवधि के रूप में अवसर मिलता है।शुभ कर्म करने से वह अपनी भौतिक और आध्यात्मिक उन्नति करता हुआ मोक्ष पथ पर आगे बढ़ता है।यह तथ्य प्रस्तुत किया कि मोक्ष की अवस्था में जीवात्मा ईश्वर या परमात्मा के साथ पूर्ण तालमेल रखते हुए परमानन्द की अवस्था में रहता है।इस अवस्था में जीवात्मा की 24 नैसर्गिक शक्तियां उसके साथ रहती हैं जिससे वह सब प्रकार के भौतिक व आध्यात्मिक सुखो को भोग सकता है।वक्ता ने मोक्ष काल की अवधि के बारे में भी बताया कि यह 31140 अरब वर्ष की है। इतनी लम्बी काल अवधि तक परमानन्द भोगना कोई साधारण बात नहीं है।मोक्ष प्राप्ति के साधनों की विवेचना करते हुए कहा कि महर्षि दयानन्द ने इसके दो मुख्य साधन बताये हैं – धर्माचरण और योगाभ्यास।इन दोनों साधनों के द्वारा ही मनुष्य अपनी भौतिक इच्छाओं की पूर्ति करता हुआ अपनी आत्मा की उन्नति भी करता है।शुभ और निष्काम कर्म करता हुआ वह अपनी अध्यात्मिक उन्नति करता है और तीव्रता से मोक्ष पथ पर अग्रसर होता है।वास्तव में मुक्ति या मोक्ष ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है और वहां पहुँच कर सब बंधन,सब दुःख,सब इच्छाएँ, वासनायें और कामनायें समाप्त हो जाती हैं।इसके फलस्वरुप पूर्ण आनंद की स्थिति बन जाती है।सामान्य मनुष्य जब मोक्ष से सम्बंधित तथ्य जान लेता है तो वह उत्तम जीवन जीने लगता है। वह धर्म के मार्ग पर अधिक आरूढ़ होता है और जीवन को अधिक सफल और सुखमय बना लेता है।मोक्ष की भौतिक और आध्यात्मिक दोनों स्तरों पर महत्ता प्रकट की। मुख्य अतिथि डॉ. अल्का आर्य (निदेशक दिल्ली विकास प्राधिकरण) व चन्द्र कांता गेरा (कानपुर) ने भी सद्कर्मों द्वारा मुक्ति की और बढ़ने का मार्ग बताया।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

'श्री राम का राजनीतिज्ञ स्वरूप' पर गोष्ठी सम्पन्न

'हिन्दू समाज को ऐसे प्रतिनिधि चुनने चाहिए जो राम राज्य की पुनर्स्थापना कर सकें–आर्य रविदेव गुप्ता'

शुक्रवार 19 अप्रैल 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'श्री राम का राजनीतिज्ञ स्वरूप' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 635 वां वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि श्री राम एक श्रेष्ठतम राजनीतिज्ञ थे। भारत में महान व्यक्तियों को दैवीय रूप में प्रदर्शित करने की परम्परा रही है जिससे उनका पुण्य स्मरण तो स्थायी हो जाता है परंतु उनके महान लौकिक कार्य ढक जाते हैं। योगेश्वर श्री कृष्ण की चपल छवि के कारण उनका कूटनीति स्वरूप तो प्रकट हो गया पर श्री राम का सरल छवि के कारण राजनीतिज्ञ स्वरूप ढक गया।श्री राम ने आजीवन आर्य व्रत में व्याप्त अराजकता,बिखरी राज सत्ता को संगठित किया।समस्त वनवासी बंधुओं को जोड़ कर सबके प्रिय बने।उन्होंने अखंड भारत की स्थापना का अद्भुत कार्य किया जिसे छात्रों को पाठ्य पुस्तक में पढ़ने की आवश्यकता है।उनके द्वारा स्थापित राज्य व्यवस्था को राम राज्य का नाम दिया गया है जिसे आज भी प्रयोग किया जाता है।आज 500 वर्ष बाद श्री राम पुनर्स्थापित हो गए हैं जो प्रसन्नता का विषय है।हिन्दू समाज को ऐसे ही प्रतिनिधि चुनने चाहिए जो राम राज्य की पुनर्स्थापना कर सकें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने राष्ट्रवादी शक्तियों को विजयी बनाने की अपील की। मुख्य अतिथि शिक्षा विद् जगदीश पाहुजा व अध्यक्ष अरुण आर्य ने श्री राम के जीवन मूल्यों की चर्चा की।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आर्य समाज विवेक विहार व मॉडल बस्ती का वार्षिकोत्सव संपन्न

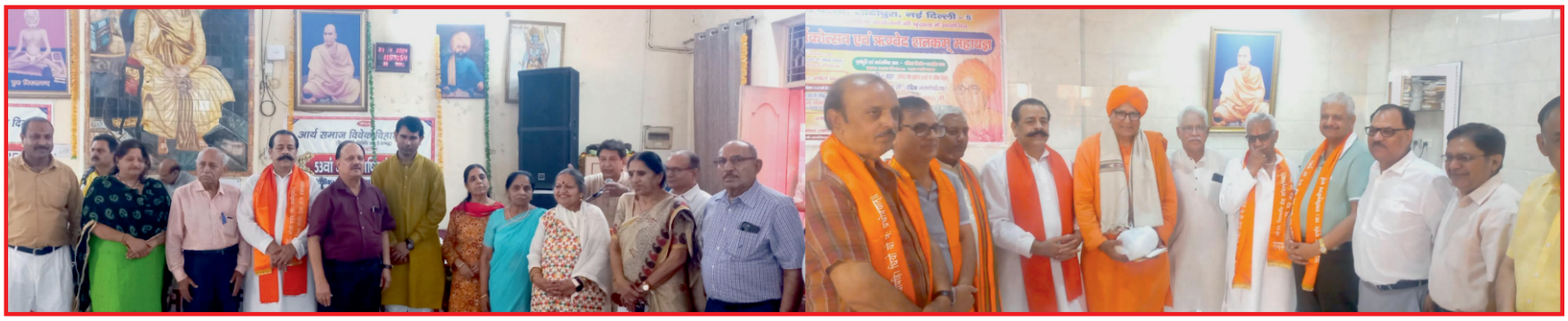

रविवार 21 अप्रैल 2024, आर्य समाज विवेक विहार पूर्वी दिल्ली का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने एमिटी शिविर को सफल बनाने का आह्वान किया। प्रधान पियूष शर्मा व उषा किरण कथूरिया ने संचालन किया। द्वितीय चित्र– आर्य समाज मॉडल बस्ती दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर स्वामी आर्य वेश जी का अभिनंदन करते अनिल आर्य, आलोक कुमार, आदर्श आहूजा, कीर्ति शर्मा आदि।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970